नईदुनिया

मालदीव के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, कहा पड़ोसी प्रथम नीति के तहत ही मालदीव से रिश्ते

कंपाला ।

19वें गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने विदेश मंत्री एस जयशंकर युगांडा की राजधानी कंपाला पहुंचे हैं। युंगाडा पहुंचते ही जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने आने वाले दो दिनों में अपने सहयोगियों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुकता जाहिर की। विदेश मंत्री ने युगांडा में मिस्र, मालदीव, अंगोला और बेलारूस के विदेश मंत्रियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा की। बेलारूस को कहा धन्यवाद, मिस्र के विदेश मंत्री से गाजा पर चर्चा बैठक की तस्वीर साझा करते हुए जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा कि मालदीव के विदेश मंत्री मूसाजमीर से मुलाकात हुई। हमने खुलकर दोनों देशों के संबंधों पर बातचीत की। जयशंकर ने कहा कि मालदीव के साथ भारत के रिश्ते पड़ोसी प्रथम नीति के तहत ही हैं। हमने भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी के साथ ही मालदीव में चल रही विकास परियोजनाओं पर विचार साझा किए। जयशंकर ने मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी से गाजा में चल रहे संघर्ष पर चर्चा की। अंगोला के विदेश मंत्री टेटे एंटोनियो और बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक के साथ हुई बैठकों के बारे में जयशंकर ने कहा कि बैठक बहुत अच्छी साबित हुई। हमने एक-दूसरे के सहयोग के लिए विस्तृत बात की। वहीं, उन्होंने भारतीयों के लिए वीजा मुक्त सुविधा शुरू करने के लिए बेलारूस को धन्यवाद कहा।

भारत ने की युगांडा की मदद

गौरतलब है कि एनएएम और जी-77 समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत ने 10 बसें, पांच एम्बुलेंस,10 ट्रैक्टर और ध्वज स्टैण्ड दिए हैं। शिखर सम्मेलन से पहले मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी स्तर की बैठकें की जाएंगी। एनएएम शिखर सम्मलेन से पहले विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह शिरकत करेंगे। इसी बीच, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने युगांडा के कंपाला में मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-मालदीव संबंधों पर बातचीत हुई, साथ ही एनएएम से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, जी-77 तीसरे दक्षिण शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन करेंगे। 19वां एनएएम शिखर सम्मेलन साझा वैश्विक समृद्धि के लिए सहयोग को बढ़ाने विषय के तहत युंगाडा में आयोजित किया जा रहा है। बात दें यह 120 से अधिक विकासशील देशों का एक महत्वपूर्ण मंच हैं।

न्यूज ब्रीफ

क्या पाकिस्तान ने ईरान पर हमले से पहले यूएस से सलाह-मशविरा किया

वॉशिंगटन । पाकिस्तान और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से दुनिया के कई देश चिंतित हैं। अमेरिका ने भी बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है और दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने बयान में कहा कि हम क्षेत्र में बढ़ रहे तनाव से चिंतित हैं। हमने इस बारे में कई बार कहा है कि 7 अक्तूबर की घटना के बाद से लड़ाई बढ़ने की आशंका से चिंतित हैं। मिलर ने कहा कि यही वजह है कि हम लगातार कूटनीतिक कोशिशों के जरिए तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार के मिलकर मुद्दे सुलझाने के बयान की तारीफ की और कहा कि लड़ाई को बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। क्या पाकिस्तान ने ईरान पर हमले से पहले अमेरिका से सलाह-मशविरा किया था पत्रकारों के इस सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि ऐसी निजी बात की मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, अमेरिका का गैर नाटो सहयोगी देश है और वह रहेगा, लेकिन हम सभी पक्षों से शांति की अपील करते हैं। अमेरिका ने ईरान की आलोचना भी की। मिलर ने कहा कि ईरान ने पाकिस्तान समेत तीन पड़ोसी देशों पर स्ट्राइक की। ईरान का आतंकवाद को वित्त पोषण देने, मध्य पूर्व में अस्थिरता को बढ़ावा देने का लंबा इतिहास रहा है। हम देख रहे हैं कि इसी वजह से गाजा में संघर्ष बढ़ रहा है। अमेरिका ने कहा कि ईरान सालों से हमास का समर्थक रहा है। वह हिजबुल्ला को फंडिंग करता है। साथ ही वह हूतियों को भी फंडिंग करता है। ईरान क्षेत्र की अस्थिरता को बढ़ा रहा है। यही वजह है कि हम कार्रवाई कर रहे हैं ताकि ईरान को जवाबदेय ठहराया जाए। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका हालात पर नजर रखे हुए है और पाकिस्तानी सहयोगियों के संपर्क में हैं। दोनों देशों को तनाव बढ़ाने की जरूरत नहीं है। किर्बी ने भी ईरान द्वारा पाकिस्तान में पहले एयर स्ट्राइक करने की आलोचना की और ईरान पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने पाकिस्तान-ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताई और दोनों तरफ से शांति बनाए रखने की अपील की। यूएन चीफ ने शांतिपूर्ण तरीकों से विवाद सुलझाने का अपील की और दोनों देशों से एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा। बता दें कि ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान की सीमा में आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई और दो बच्चों की मौत होने का दावा किया था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी ईरान की सीमा में एयर स्ट्राइक की, जिसमें नौ लोगों की मौत की खबर है। इससे दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है।

कोई और विकल्प..., फलस्तीन को अलग देश का दर्जा दिए जाने से इजराइल के इनकार पर आया अमेरिका का बयान

वॉशिंगटन । हमास और इजराइल के बीच जंग जारी है। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इजराइल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब आतंकी समूह भी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, न तो जंग की रफ्तार कम हो रही है और न ही लोगों की जान की परवाह की जा रही है। इस बीच, अमेरिका और इजराइल के बीच फलस्तीन को अलग एक देश का दर्जा दिए जाने पर बहस छिड़ गई है। एक तरफ अमेरिका का कहना है कि दो-राष्ट्र समाधान क्षेत्र में स्थायी शांति लाने का एकमात्र संभव तरीका है। वहीं, दूसरी तरफ इजराइल ने इससे इनकार कर दिया है। दो-राष्ट्र समाधान उन क्षेत्रों में दो देशों इजराइल और फलस्तीन के वजूद की बात करता है जो कभी ब्रिटिश शासन के अधीन फलस्तीन क्षेत्र था। फलस्तीन के शासन क्षेत्र को दो राज्यों में विभाजित करने का प्रस्ताव पहली बार 1947 में संयुक्त राष्ट्र ने दिया था, जब इसने यूएनजीए प्रस्ताव 181 पारित किया था। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावित बंटवारे में, कहा गया था कि ब्रिटिश शासन वाले क्षेत्र को भविष्य में यहूदी राज्य के तौर पर लगभग 55 प्रतिशत भूमि दी जाएगी, जबकि बाकी 45 प्रतिशत अरब राज्य (फलस्तीन) को देने की बात कही गई थी। हालांकि, 1948 में इजराइल की स्थापना के 75 साल बाद भी इस मुद्दे पर संघर्ष जारी है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि फलस्तीन देश की स्थापना के बिना गाजा में शांति लाना और इजराइल की दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौतियों को हल करने का कोई तरीका नहीं है। उन्होंने कहा कि इजराइल के पास फिलहाल एक मौका है, क्योंकि क्षेत्र के देश उसे सुरक्षा आश्वासन देने के लिए तैयार हैं। मिलर ने कहा कि स्थायी सुरक्षा प्रदान करने का कोई तरीका नहीं है। गाजा के पुनर्निर्माण, गाजा में शासन स्थापित करने और फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के बिना गाजा के लिए सुरक्षा प्रदान करने की अल्पकालिक चुनौतियों को हल करने का कोई तरीका नहीं है।

दावा- इजराइली सैनिकों ने फिलिस्तीनियों को निर्वस्त्र करके मार डाला

महिला बोली- परिवार के सामने पुरुषों को टॉर्चर किया, डर था अब हमारी बारी है

जेरूसलम।

इजराइली सैनिकों ने पुरुषों को निर्वस्त्र किया, उन्हें प्रताड़ित किया और फिर एक-एक करके मार दिया। वो पूरी जगह खून से सनी थी। यह कहना है फिलिस्तीनी महिला हेबा ने कहा- 19 दिसंबर 2023 को इजराइली सैनिकों ने गाजा शहर में एक अपार्टमेंट पर रेड डाली। सैनिकों ने यहां 15 पुरुषों की हत्या कर दी। हेबा का पति भी मारे गए फिलिस्तीनियों में शामिल था। हेबा ने आगे कहा- सैनिकों ने सभी पुरुषों के कपड़े उतरवा दिए गए थे। उन्होंने सिर्फ बॉक्सर्स पहन रखे थे। इसके बाद उन्हें पेट के बल जमीन पर लेटने को कहा गया। हमारी आंखों के सामने इजराइली सैनिक एक-एक करके उन्हें मारने लगे। उन्होंने किसी को नहीं छोड़ा। वो पूरी जगह खून से सन चुकी थी।

हेबा बोली- मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकती

हेबा ने अलजजीरा को बताया- वो ऐसा दिन था, जिसे भूला नहीं जा सकता। मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकती। पहले उन्होंने मेरे पति को प्रताड़ित किया। इसके बाद उसके जबड़े को तोड़ दिया। उन्होंने उसके चेहरे पर बहुत मारा। वो तब तक मारते रहे, जब तक मेरे पति के हाथ से खून नहीं बहने लगा। हेबा अपने परिवार के साथ वहां रहती थी। उसने कहा- सैनिकों ने पहले सभी पुरुषों के कपड़े उतरवाए, उन्हें प्रताड़ित किया और फिर मार डाला। हम यह सब देख रहे थे। हमें लग रहा था कि अब हमारी बारी है। हेबा का बेटा आदि सालेम उन चंद लोगों में से था, जो यहां से जीवित बच सका। आदि ने कहा- टॉर्चर की वजह से मैं बेहोश हो गया था। तभी इजराइली सैनिकों ने एक व्यक्ति को मारा। उसका शव मेरे ऊपर गिरा। सैनिक वहां सबके पास जाकर देख रहे थे कि कहीं कोई जिंदा तो नहीं बचा है। बेहोश होने की वजह से उन्हें लगा कि मैं मर चुका हूं।

इजराइली सैनिकों ने अपार्टमेंट से निकलते ही उस पर गोले बरसाए

हेबा ने कहा- जैसे ही इजराइली सैनिक वहां से निकले, उन्होंने अपार्टमेंट पर गोले बरसाने शुरू कर दिए। तभी एक गोला मेरी 3 साल की बेटी की आंख में लगा। उसकी आंखें खुली थीं और उसने मरते वक्त सब कुछ देखा। एक गोला उसकी गर्दन पर भी लगा। उसके सिर से भी बहुत खून बह रहा था। हेबा की 3 साल की बेटी ने अपनी बेहन रुला सालेम की बाहों में दम तोड़ा था।

रुला ने बताया- मैंने उसे हमलो से बचाने के लिए अपने नीचे छिपा रखा था। इसके बावजूद उसे कई चोटें लगी थीं। उसने मुझसे पानी मांगा। वो बहुत रो रही थी। मुझे लगा कि वो डरी हुई है, इसलिए रो रही है। मैंने उससे कहा था कि जैसे ही गोले बरसना रुकेंगे, मैं उसे पानी पिला दूंगी। उस वक्त मुझे यह एहसास नहीं हुआ था कि वो दम तोड़ने वाली है। अब हमारे पास उसकी निशानी के तौर पर सिर्फ एक टी-शर्ट है।

ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने मामले में तुरंत जांच की मांग की है। इजराइली सैनिक पर पहले भी फिलिस्तीनियों को निर्वस्त्र करके उन्हें प्रताड़ित करने का आरोप लग चुका है। 26 दिसंबर 2023 को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो के हवाले से दावा किया था कि गाजा में इजराइली डिफेंस फोर्स ने फिलिस्तीनी पुरुषों और 2 बच्चों को निर्वस्त्र करके हिरासत में लिया।

इजराइली सैनिकों पर पहले भी लगे फिलिस्तीनी पुरुषों को निर्वस्त्र करने के आरोप

वीडियो में एक फुटबॉल स्टेडियम में फिलिस्तीनी हाथ पीछे बांधे, आधे कपड़ों में बैठे नजर आ रहे थे। इनमें 2 बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोगों की आंखों पर पट्टी भी बंधी हुई थी। वीडियो के कुछ हिस्सों में इन लोगों के हाथ सिर के ऊपर थे और इजराइली सैनिक इन्हें ले जाते दिख रहे थे। वीडियो के कुछ हिस्से में महिलाएं भी हिरासत में नजर आ रही थीं।

इससे पहले इससे पहले 9 दिसंबर को भी गाजा में सरेंडर करते फिलिस्तीनियों का एक वीडियो लीक हुआ था। इसमें किसी के तन पर कपड़े नहीं थे, लोग सिर्फ अंडरवियर में खड़े दिखाई दे रहे थे। इसके बाद एक शख्स आगे आता है, इसके हाथ में गन है। इजराइली सैनिक इसे धीरे-धीरे आगे बढ़ने को कह रहा है। इसके बाद शख्स जमीन पर बंदूक रख वापस लौट जाता है। हालांकि, इजराइल ने इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया था।

जिस जहाज को अदन की खाड़ी में भारतीय युद्धपोत ने बचाया उस पर हूती समूह ने किया था हमला, अमेरिका का था शिप

सना ।

यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में अमेरिकी जहाज को निशाना बनाया। इस समूह ने अमेरिकी केम रेंजर जहाज पर कई मिसाइलें बरसाईं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में हूतियों ने कहा कि उसके नौसैनिक बलों ने कई मिसाइलों के जरिए अमेरिकी जहाज पर सीधे वार किए। हालांकि, बयान में जहाज पर हमले का समय और बाकी जानकारियां नहीं दी गईं। हालांकि, केम रेंजर वही जहाज है, जिस पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए थे। इस शिप को तब भारतीय युद्धपोत ने खतरे से निकाला था और हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। गौरतलब है कि लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर आने-जाने वाले जहाजों पर हूती विद्रोही संगठन के हमलों के चलते व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इन हमलों से निपटने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन समेत कुछ और देशों ने अपने युद्धपोत और जंगी जहाजों को लाल सागर में तैनात किया है। अमेरिका ने अलग-अलग मौकों पर लेबनान और यमन में हूतियों के ठिकानों को निशाना भी बनाया है।

बताया गया है कि मार्शल आइलैंड के झंडे वाला केम रेंजर केमिकल टैंकर सऊदी अरब के जेद्दा से कुवैत जा रहा था। इसी दौरान इस पर हमला हुआ है। ब्रिटेन की एक कंपनी ने बताया कि मार्शल आइलैंड के केमिकल टैंकर ने इसी रूट पर ड्रोन्स द्वारा निशाना बनाए जाने की रिपोर्ट भेजी थी। बताया गया है कि अदन की खाड़ी में एक मिसाइल टैंकर से 30 किलोमीटर दूर गिरी। इसके बाद भारत के युद्धपोत ने जहाज को बचाया। घटना में अमेरिकी जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ था। संकट में फंसे व्यापारिक जहाज- एमवी जेनको पिकार्डी की मदद करने पहुंचे आईएनएस विशाखापत्तनम पर तैनात भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने सघन तलाशी के बाद जहाज को सुरक्षित करार दिया। नौसेना ने कहा कि ऐसे ऑपरेशंस पर काम करने के लिए ईओडी नाम के खास दल का गठन किया गया है। ईओडी टीम को विस्फोटकों से निपटने और धमाके वाले गोलाबारूद को नष्ट करने की ट्रेनिंग दी जाती है।

महिला की भजन गाते हुई दर्द रहित प्रेग्नेंसी प्रेग्नेंसी के दौरान गिटार बजाता रहा पति

न्यूयॉर्क ।

भजन और पसंदीदा गाने के कारण अमेरिका के सिएटल में रहने वाली बिफी हेल को प्रेग्नेंसी के दौरान दर्द ही नहीं हुआ और प्रेग्नेंसी भी आसानी से हो गई । प्रसव का उनका तरीका जान जाएंगे तो दांतों तले उंगली दबा लेंगे। बिफी को जब लेबर पेन शुरू हुआ तो वे 5 घंटे तक भजन और पसंदीदा गाने गाती रहीं। पति गिटार बजाते रहे और दोनों एक खूबसूरत एहसास के साथ बच्चे को इस दुनिया में लाए। बिफी का दावा है कि भजन गाने की वजह से ध्यान बंट गया और दर्द नहीं हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 31 वर्षीय बिफी हेल और उनके पति ब्रैंडन ने अपनी कहानी दुनिया से साझा की है। बिफी ने कहा, हम प्राकृतिक रूप से घर पर ही बच्चे को जन्म देना चाहते थे। लेकिन प्रेग्नेंसी के 42वें हफ्ते में दिक्कत शुरू हो गई। पेट में काफी दर्द हो रहा था। हम अस्पताल भागे, मगर कुछ ही घंटों में फिर अस्पताल आ गए। मुझे सुइयों से डर लगता है। इसलिए घर पर प्रसव के लिए एक नर्स हमने रख ली। जब लेबर पेन शुरू हुआ तो नर्स ने अस्पताल जाने की सलाह दी। लेकिन मैंने घर पर ही रहना तय किया। बिफी ने कहा, दर्द काफी हो रहा था, तभी मुझे आइडिया सूझा। मैंने अपने पति को कहा- आप गिटार बजाओ और मैं गाना गाती हूं। मैंने ढेर सारे भजन और पसंदीदा गाने गाए।

आप यकीन नहीं करेंगे। जैसे जैसे वक्त बीतता गया, मेरा दर्द कम होने लगा। 5 घंटे तक हम गाने गुनगुनाते रहे। हमारी नर्स भी हमारे साथ शामिल हो गई। हमने प्लैनेटशेकर्स का ब्यूटीफुल सेवियर और शेरिल क्रो का 1993 का हिट स्ट्रॉन्ग इनफ गाया। मैं कोशिश कर रही थी कि मैं बच्चे के जन्म को भुलाया जाए। आप जानकर हैरान होंगे कि मुझे दर्द बिल्कुल कम हो गया। अनुभव बताते हुए बिफी ने कहा, बच्चे के जन्म से सिर्फ आधे घंटे पहले मैं असमर्थ हो गई। तब मेरे पति ने गाकर सुनाया और एक पल ऐसा भी आया जब बच्चा मेरी हाथ में था। बेटे जैक का जन्म रात 8:20 बजे हुआ। उसका वजन ठीक 7 पाउंड था। जन्म के बाद हमने उसके लिए डिज्नी गाने गाए। ऐसा लग रहा था कि जैसे वह धुन सुनकर काफी खुश है।

संघीय डिजिटल मुद्रा का नहीं होने देंगे निर्माण पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का संकल्प

वॉशिंगटन ।

आयोवा कॉकस के मतदान में जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक उत्साहित हैं। अब उनकी निगाहें न्यू हैंपशायर में होने वाले कॉकस चुनाव पर लगी हैं। यहां एक रैली में डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय डिजिटल मुद्रा के निर्माण को रोकने का संकल्प लिया है। उन्होंने इसे स्वतंत्रता के लिए खतरनाक खतरा बताया।

आपके राष्ट्रपति के रूप में...

न्यू हैंपशायर के पोर्ट्समाउथ में एक रैली में ट्रंप ने कहा, मैं अमेरिकियों को सरकारी अत्याचार से बचाने का एक और वादा कर रहा हूं। आपके राष्ट्रपति के रूप में, मैं कभी भी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा के निर्माण की अनुमति नहीं दूंगा।

पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा

उन्होंने आगे कहा, इस तरह की मुद्रा से आपके पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा। वे आपके पैसे ले सकती हैं। आपको इसका पता भी नहीं चलेगा कि पैसे निकल गए। यह स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा खतरा होगा।

नियमित डॉलर की तरह किया जा सकता है इस्तेमाल

एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा एक केंद्रीय बैंक द्वारा जारी मुद्रा का एक डिजिटल संस्करण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय के तहत अमेरिका का फेडरल रिजर्व एक डिजिटल डॉलर जारी करेगा, जिसका उपयोग नियमित डॉलर की तरह ही किया जा सकता है।

न्यू हैंपशायर में ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं हेली

गौरतलब है, न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को मतदान होना है। एक ताजा पोल में दावा किया जा रहा है कि न्यू हैंपशायर में डोनाल्ड ट्रंप और निक्की हेली के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है क्योंकि पोल के अनुसार, दोनों को राज्य में 40-40 फीसदी वोट मिल सकते हैं। न्यू हैंपशायर के गवर्नर क्रिस सुनुनु निक्की हेली का समर्थन कर रहे हैं, ऐसे में राज्य में ट्रंप को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को हुए आयोवा कॉकस के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उन्हें 51 प्रतिशत वोट मिले थे। रोन देसांतिस को 21 प्रतिशत और निक्की हेली को 19 प्रतिशत लोगों ने वोट किया था। विवेक रामास्वामी, जो अब राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर हो चुके हैं, उन्हें 7 फीसदी मतों से संतोष करना पड़ा था। हाल के दिनों में निक्की हेली की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। न्यू हैंपशायर में जहां वह ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं, वहीं साउथ कैरोलिना उनका अपना राज्य है, जहां से वह दो बार गवर्नर रह चुकी हैं।

चीन ने पाकिस्तान को थमाए घटिया रडार, हमला करने आए ईरानी ड्रोन को नहीं पकड़ पाए

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान ने चीन को अपना जिगरी दोस्त माना था। उसे लगता था कि चीन हर संकट में उसका साथ देगा। यही समझकर पाकिस्तान ने चीन से रडार खरीद लिए। उसे लगा कि इससे पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है, लेकिन चीन ने अपने दोस्त पाकिस्तान को घटिया रडार थमा दिए।

चीन के घटिया रडार की पोल उस वक्त खुली जब ईरान ने रातों रात पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक करके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। तब पता चला की चीन से लाए गए रडार ड्रोन को कैप्चर ही नहीं कर पाए। अब लुटा पिटा पाकिस्तान चीन पर घटिया रडार देने के आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि पाकिस्तान में हुई एयर स्ट्राइक पर अमेरिका ने ईरान की निंदा की है लेकिन चीन के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला

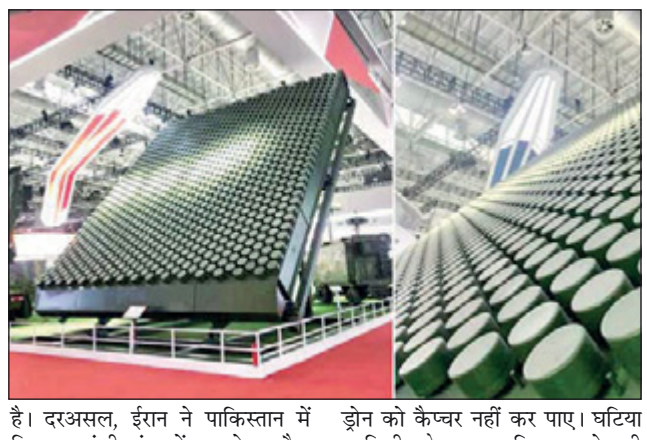

है। दरअसल, ईरान ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों पर ड्रोन अटैक किया था। इसके बाद अमेरिका समेत कई देशों ने ईरान के हमले की निंदा की लेकिन चीन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। इतना ही नहीं चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए इंटरसेप्ट रडार भी ईरान के ड्रोन को कैप्चर नहीं कर पाए। घटिया क्वालिटी के रडार सिस्टम से भी पाकिस्तान नाराज बताया जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए रडार फेल हुए हैं। पहले भी कई मौकों पर चीन के रडार धोखा दे चुके हैं। साल 2022 में राजस्थान बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तान में ब्रह्मोस मिसाइल फायर हुई थी। लेकिन चीन के रडार उसे भी इंटरसेप्ट करने में विफल रहे थे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने प्रेस वार्ता में कहा, ''क्या आप कह रहे हैं पाकिस्तान ने ईरान पर हमले किए मैं इससे अवगत नहीं हूं। उनसे यह पूछा गया था कि क्या चीन, ईरान के अंदर पाकिस्तान के हवाई हमलों से वाकिफ है। माओ ने कहा, ''लेकिन हम इस पर गौर कर रहे हैं और चीन का हमेशा से मानना रहा है कि देशों के बीच संबंधों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के आधार पर संभाला जाना चाहिए। माओ निंग ने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ईरान और पाकिस्तान करीबी पड़ोसी और प्रभाव रखने वाले देश हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष संयम और शांति बरतेंगे तथा तनाव बढ़ाने से दूर रहेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम स्थिति को सामान्य करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।पाकिस्तान के एक पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या चीन, सुन्नी चरमपंथी समूह जैश-अल-अदल के एक शिविर पर ईरान के हवाई हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों एवं अंतराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानता है, माओ ने कहा, ''मैंने अभी-अभी चीन का रुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्ष अपने विवादों का हल परामर्श और वार्ता के जरिये करेंगे। चीन की मध्यस्थता की पेशकश एक कठिन राह हो सकती है क्योंकि सुन्नी बहुल देश पाकिस्तान और मुख्य रूप से शिया बहुल ईरान के बीच अच्छे संबंध नहीं हैं। वहीं अब चीन ने बीते दो दिनों में पाकिस्तान और ईरान द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल हमले किये जाने के बाद दोनों देशों के बीच उपजे तनाव को घटाने में रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की है। चीन ने दोनों देशों से ''संयम बरतने और टकराव टालने को कहा है। पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में, कथित आतंकी ठिकानों पर तड़के हमले किये, जिनमें नौ लोग मारे गए। ये हमले, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी बलूच चरमपंथी समूह 'जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को निशाना बना कर किये गये। ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के बाद किये गए। इस घटनाक्रम ने चीन को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है क्योंकि पाकिस्तान उसका करीबी मित्र है जबकि ईरान ने हाल के वर्षों में पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद की है। चीन, ईरान से काफी मात्रा में तेल का भी आयात करता है।